मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 01, मुंबई, शनिवार, 12 अप्रैल, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

फिर दहला नागपुर

उमरेड एमआईडीसी की एल्युमिनियम फैक्ट्री में भीषण विस्फोट

5 लोगों की मौत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। उमरेड के एमआईडीसी क्षेत्र में एल्युमिनियम पाउडर बनाने वाली एमएमपी कंपनी में शुक्रवार शाम करीब 6:15 बजे विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई।इस घटना में 8 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से गंभीर रूप से घायल 2 श्रमिकों को उमरेड उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि शेष 6 घायलों को नागपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए ट्रांसफर कर दिया गया है। देर समय तक 25 से अधिक मजदूर अंदर फंसे हुए थे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बीजेपी दलित-बहुजन इतिहास मिटाना चाहती है

फुले फिल्म से कुछ दृश्य हटाने के आदेश पर भड़के राहुल गांधी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर आरोप लगाया कि ये संगठन दलित-बहुजन इतिहास मिटाना चाहते हैं। राहुल गांधी का यह बयान तब आया है जब केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म फुले से जाति से जुड़े कुछ दृश्य हटाने का निर्देश दिया है। यह विवाद तब सामने आया जब सीबीएफसी ने फुले के निर्माताओं को फिल्म रिलीज करने से पहले कुछ दृश्यों को हटाने का निर्देश दिया, जिसमें जातिवाद से जुड़े शब्द शामिल थे। फिल्म ज्योतिराव फुले की जयंती के अवसर पर रिलीज होने वाली थी। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भाजपा-आरएस नेता एक तरफ फुले को दिखावटी श्रद्धांजलि देते हैं और दूसरी तरफ उनके जीवन पर बनी फिल्म को सेंसर कर रहे हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हम भीख नहीं मांग रहे है...अजित पवार पर बरसे सरनाईक

कर्मचारियों की सैलरी पर गिरी गाज, दे दी डेडलाइन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच मतभेद चरम पर पहुंचने लगे हैं। गुरुवार को शिवसेना नेता व परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने अजित पर सीधा हमला बोलते हुए अजित पर एसटी कर्मचारियों की पगार रोकने का गंभीर आरोप लगाया। मंत्री सरनाईक ने कहा अन्य सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर एसटी कर्मचारियों को भी समय पर वेतन देना वित्त विभाग की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा हम अजित से भीख नहीं मांग रहे हैं। लेकिन वित्त विभाग के अधिकारी परिवहन विभाग की फाइलें वित्त मंत्री तक पहुंचने ही नहीं देते हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मंत्री के आदेश पर निकली 'सुपारी'

नागपुर की फैक्टी में एफडीए ने की छापेमारी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मंत्रियों ने अपने-अपने विभागों का 100 दिनों का एजेंडा तय किया है। अन्न एवं औषधि प्रशासन विभाग ने भी पहल की है। 100 दिनों के एजेंडा में सुपारी को भी शामिल किया गया है। इसी एजेंडे के तहत शुक्रवार को एफडीए विभाग की ओर से नागपुर के कलमना स्थित एक फैक्ट्री में छापेमारी की गई और लगभग 30 लाख रुपये की सुपारी जब्त की गई। आश्चर्य की बात यह है कि मंत्री के आदेश पर मुंबई से 3-4 अधिकारियों को इस काम के लिए भेजा गया है। मुंबई के अधिकारियों के इशारे पर नागपुर के अधिकारियों को शामिल किया गया और दोपहर में छापेमारी की गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

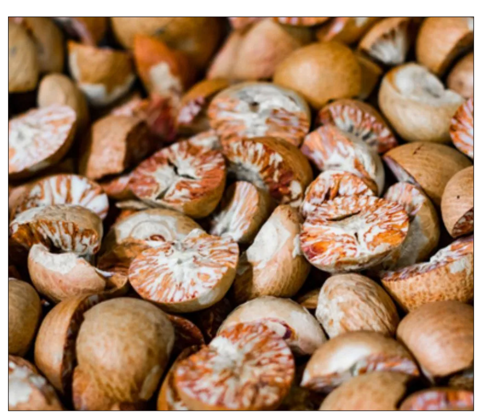

आयुक्त बोले- जारी रहेगी कार्रवाई

एफडीए के संयुक्त आयुक्त के मार्गदर्शन में हमेशा ही ऐसे अभियान की शुरूआत की जाती है। कुछ दिनों तक कार्रवाई चलती है और फिर मामला शांत हो जाता है। ऐसा नहीं है कि कारोबार बंद हो जाता है बल्कि विभाग की मेहरबानी हो जाती है और सब कुछ शांति से चलता रहता है। इस कार्रवाई को भी लोग उसी नजर से ही देख रहे हैं।

हमारी बात

इतिहास में उलझे हुए

कांग्रेस का बहुसंख्यक धड़ा आज के मुद्दों से नजर मिलाने को तैयार नहीं है। पार्टी की रणनीति अतीत गौरव का गान, सामाजिक न्याय के घिसे-पिटे जुमलों को दोहराने और मोदी सरकार के प्रति आक्रामक रुख अपनाने तक सीमित हो गई है।

कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन ने फिर साफ किया है कि यह पार्टी इतिहास में उलझ कर रह गई है। अहमदाबाद अधिवेशन का मुख्य विषयवस्तु सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत को वापस पाने की जद्दोजहद रहा। उनके बहाने कांग्रेस के राष्ट्रवाद और आरएसएस– भाजपा के छद्म राष्ट्रवाद के बीच का फर्क बताने की कोशिश की गई। इसके अलावा इतिहास में रहे जातीय अन्याय की चर्चा के अपने नवजात उत्साह में पार्टी उलझी नजर आई। इस बीच जो बात खो गई, वो यह है कि आज की पीढ़ियों के लिए उसके पास क्या एजेंडा और सपना है? पार्टी के कुछ नेताओं ने इस पर जोर दिया कि कांग्रेस को इतिहास और नकारात्मकता की राजनीति से निकल कर युवा वर्ग की चिंताओं के अनुरूप आज के मुद्दों पर कार्यक्रम पेश करना चाहिए। मगर पार्टी के सर्वोच्च नेतृत्व ने उसे नजरअंदाज कर दिया। यह संकेत है कि पार्टी का बहुसंख्यक धड़ा अतीत के गौरव मोह से निकलने को तैयार नहीं है। ऐसे में कांग्रेस की रणनीति अतीत गौरव का गान, सामाजिक न्याय के घिसे-पिटे जुमलों को दोहराने और नरेंद्र मोदी सरकार के प्रति आक्रामक रुख अपनाने तक सीमित हो गई दिखती है। यह भी विडंबना है कि अहमदाबाद में पार्टी ने इंडिया गठबंधन के गठन और उसे चलाने में अपनी रचनात्मक भूमिका का बखान किया। जबकि अनेक घटक दल गठबंधन को निष्क्रिय बनाने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते रहे हैं। हकीकत यह है कि पिछले लोकसभा चुनाव के बाद हर व्यावारिक रूप में यह गठबंधन अपनी भूमिका खो चुका है। वैसे भी यह कभी राज्यों के स्तर पर सीटों के तालमेल से आगे नहीं बढ़ पाया। इसलिए कांग्रेस का यह दावा अजीब है कि जन मुद्दों पर समान रुख आधारित इसके ढांचे को कायम रखने में कांग्रेस ने अहम भूमिका निभाई है। सवाल है कि सरदार पटेल की विरासत पर बहस छेड़ने या इंडिया गठबंधन के बारे में अयथार्थ दावे करने से कांग्रेस को क्या कोई ठोस लाभ होगा? चूंकि इसकी संभावना कमजोर नजर आती है, इसलिए कहा जाएगा कि अहमदाबाद अधिवेशन को कांग्रेस में ऊर्जा भरने का अवसर बनाने में पार्टी नेतृत्व नाकाम रहा है।

दुःख की बात है कि क्रांतिकारी शमशेर सिंह भोसले (पारधी) ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी लेकिन उनका इतिहास लुप्त हो गया

साहित्यकार नामदेवजी
प्रतिनिधि पुणे स्नेहा उत्तम मडावी

आज भास्कर भोसले की पुस्तक इतिहास और दर्द बाजार में विमोचित हुई और न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे भारत में आदिवासी पारधी समुदाय के घरों में खुशी का माहौल बन गया। हम यह नहीं भूल सकते कि लेखक भास्कर भोसले ने चार-पांच लाख रुपए कर्ज लेकर क्रांतिकारी शमशेर सिंह भोसले का इतिहास लोगों तक पहुंचाया था। सामाजिक कार्यकर्ता नामदेव भोसले ने नायगांव में एक कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज, 1 अप्रैल 2025, हमारे इतिहास के एक महान क्रांतिकारी शमशेर सिंह भोसले पारधी की पुण्यतिथि के स्मरण का दिन है। पारधी समुदाय के इस वीर सिपाही ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहुति देकर स्वराज की लौ को जीवित रखा। उनका जीवन और उनका बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणादायी है। शमशेर सिंह भोसले पारधी सिर्फ एक योद्धा ही नहीं थे, बल्कि पारधी समुदाय के एक सच्चे नेता थे। उन्होंने अपने समुदाय को एकजुट किया और उन्हें अन्याय के खिलाफ लड़ने का साहस दिया। जंगल में उन्होंने इस समुदाय को आजादी के सपने दिखाए और उन्हें पूरा करने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं की। उन्होंने ब्रिटिश शासन के क्रूर दमन के विरुद्ध हथियार

उठाए और अपनी बहादुरी से इतिहास के पन्नों में अमर हो गए। आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर हम सभी को उनके बलिदान को याद करना चाहिए। उनकी लड़ाई सिर्फ आजादी के लिए नहीं थी, बल्कि समानता और न्याय के लिए थी। उनके विचार और कार्य आज भी हमें अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की शक्ति देते हैं। शमशेर सिंह भोसले पारधी समुदाय के स्वतंत्रता सेनानी क्रांतिकारी पुण्यतिथि आज, 1 अप्रैल 2025, हमारे इतिहास के एक महान क्रांतिकारी को याद करने का दिन है - शमशेर सिंह भोसले पारधी की पुण्यतिथि। पारधी समुदाय के इन बहादुर लोगों ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहुति देकर स्वराज की लौ को जीवित रखा। उनका जीवन और उनका बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा है। शमशेर सिंह भोसले सिर्फ एक योद्धा ही नहीं थे, बल्कि पारधी समुदाय के सच्चे नेता थे। उन्होंने अपने समुदाय को एकजुट किया और उन्हें अंग्रेजों और अन्याय के खिलाफ लड़ने का साहस दिया। वे जंगल में रहने वाले इस समुदाय के लिए आजादी के सपने लेकर आए और उन्हें पूरा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। उन्होंने अंग्रेजी सत्ता के क्रूर दमन के विरुद्ध हथियार उठाए और अपनी वीरता से इतिहास के पन्नों में अमर हो गए। आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर हम सभी को उनके बलिदान को याद करना चाहिए। उनकी लड़ाई सिर्फ आजादी के लिए नहीं थी, बल्कि समानता और न्याय के लिए थी। उनके विचार और कार्य आज भी हमें अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की शक्ति देते हैं। आइए हम इस क्रांतिकारी नायक को पूरे दिल से सलाम करें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें। इस प्रकार आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता नामदेव भोसले, वरिष्ठ लेखक. भास्कर भोसले, दिलीप भोसले, संजय भोसले, बलवर पवार, बिबिशन चव्हाण, सुनील चव्हाण, तुकाराम भोसले, अनिल पवार, सचिन भोसले, सुरेखा भोसले, सुनंदा भोसले, उपस्थित थे।

दस मिनट में फूड डिलीवरी: ऐसा खाना कैसा?

एक बर्गर जो सामान्य रूप से 20 मिनट में तैयार होता है, उसे 10 मिनट में बनाने के लिए पहले से तैयार पैटीज या कम गुणवत्ता वाली सामग्री का सहारा लिया जाता है। इससे न केवल स्वाद प्रभावित होता है, बल्कि पोषण मूल्य भी कम हो जाता है। कई बार, जल्दबाजी में तैयार भोजन में स्वच्छता के मानकों की भी अनदेखी हो जाती है, जिससे खाद्य जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

आज की तेज-रफ़्तार दुनिया में, दस मिनट फूड डिलीवरी सेवाएँ एक क्रांति की तरह उभरी हैं। लोग अपने व्यस्त जीवन में समय बचाने के लिए इन सेवाओं पर निर्भर हो रहे हैं। स्विगी, जोमैटो, और अन्य स्टार्टअप्स ने ह्यहाइपरलोकल डिलीवरीह्न के नाम पर भोजन को रिकॉर्ड समय में ग्राहकों तक पहुँचाने का वादा किया है। लेकिन क्या यह सुविधा वाकई इतनी लाभकारी है, जितनी दिखाई देती है? दस मिनट फूड डिलीवरी कितनी सार्थक है? विज्ञापन की चकाचौंध भारी दुनिया में इस सेवा के ऐसे कौन से बिंदु हैं जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है।

जब भी कभी किसी रेस्टोरेंट पर दस मिनट की डिलीवरी का ऑर्डर आता है तो उन पर इतना अधिक दबाव होता है कि वे अक्सर खाने की गुणवत्ता पर ध्यान देने के बजाय जल्दबाजी में ऑर्डर तैयार करते हैं। ताजा सामग्री का उपयोग, स्वच्छता, और स्वाद को भी नजरअंदाज कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, एक बर्गर जो सामान्य रूप से 20 मिनट में तैयार होता है, उसे 10 मिनट में बनाने के लिए पहले से तैयार पैटीज या कम गुणवत्ता वाली सामग्री का सहारा लिया जाता है। इससे न केवल स्वाद प्रभावित होता है, बल्कि पोषण मूल्य भी कम हो जाता है। कई बार, जल्दबाजी में तैयार भोजन में स्वच्छता के मानकों की भी अनदेखी हो जाती है, जिससे खाद्य जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

दस मिनट डिलीवरी का सबसे बड़ा नुकसान डिलीवरी कर्मचारियों के कंधों पर भी पड़ता है। इन कर्मचारियों को असंभव समय सीमा के भीतर ऑर्डर पहुँचाने के लिए दबाव झेलना पड़ता है। सड़कों पर तेज रफ़्तार से गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार पिछले पाँच वर्षों में भारत में डिलीवरी कर्मचारियों की दुर्घटनाएँ 30% तक बढ़ी हैं और इसका एक बड़ा कारण ह्यहाइपर-फास्ट डिलीवरीह्न मॉडल है। इसके अलावा, ये कर्मचारी अक्सर कम वेतन, बिना किसी स्वास्थ्य/दुर्घटना बीमा के और अनिश्चित नौकरी की स्थिति में काम करते हैं। उनकी मानसिक और शारीरिक सेहत पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है।

तेज डिलीवरी का पर्यावरण पर भी गंभीर असर पड़ता है। डिलीवरी वाहनों की संख्या में वृद्धि से कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है। इसके अलावा, दस मिनट डिलीवरी के लिए छोटे-छोटे ऑर्डर अलग-अलग वाहनों से पहुँचाए जाते हैं, प्लास्टिक और डिस्पोजेबल कंटेनर भी पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में फूड प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जिसका बड़ा हिस्सा रिसाइकिल नहीं हो पाता। दस मिनट डिलीवरी मॉडल इस समस्या को और बढ़ाता है, क्योंकि जल्दबाजी में पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग पर ध्यान नहीं दिया जाता।

प्लेटफॉर्म्स द्वारा संचालित होता है, जो रेस्तराँओं से भारी कमीशन वसूलते हैं। छोटे और स्थानीय रेस्तराँ, जो पहले से ही कम मार्जिन पर काम करते हैं, इस दबाव को झेल नहीं पाते। कई बार उन्हें अपनी कीमतें बढ़ानी पड़ती हैं या गुणवत्ता से समझौता करना पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप, कई छोटे रेस्तराँ बंद हो रहे हैं, और बाजार पर कुछ बड़े खिलाड़ियों का दबदबा बढ़ रहा है। यह न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि ग्राहकों के लिए विकल्पों की विविधता को भी कम करता है।

दस मिनट डिलीवरी ने लोगों की खाने की आदतों को भी बदल दिया है। अब लोग घर पर खाना बनाने या बाहर खाने की बजाय तुरंत डिलीवरी का विकल्प चुनते हैं। इससे न केवल पारंपरिक खाना पकाने की कला खतरे में पड़ रही है, बल्कि लोग अस्वास्थ्यकर खाने की ओर भी बढ़ रहे हैं। फास्ट फूड और प्रोसेस्ड भोजन, जो जल्दी तैयार हो जाता है, इस मॉडल में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है, जिसमें मोटापा, मधुमेह, और हृदय रोग जैसी समस्याएँ शामिल हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॅ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

अधूरे महामार्ग कार्य पूरे किये जायेंगे कडेगांव प्रांतीय अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

मुंबई हलचल/संवाददाता

सांगली। तहसील कड़ेगाव के कडेगांव राजमार्ग पर अधूरे कामों को पूरा करने के लिए कड़ेगाव प्रांतीय अधिकारी रणजीत सिंह भोसले की अध्यक्षता में हुई बैठक में तहसीलदार अजीत शेलार, राजमार्ग अधिकारी उप अभियंता प्रवीण बिराजदार, नगर पंचायत मुख्य अधिकारी पवन म्हेत्रे, पुलिस निरीक्षक संग्राम शेवाळे, राजमार्ग ठेकेदार और पानी संघर्ष समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक में राजमार्ग अधिकारी ने बताया कि महात्मा गांधी विद्यालय के सामने अधूरे पड़े नाले का काम शुरू किया जाएगा। राजमार्ग अधिकारी ने बताया कि सुरली घाट में संकरे मोड़ होने के कारण वहां दुर्घटनाएं

होती रहती हैं, इसलिए सुरली घाट को चौड़ा करने के लिए वन विभाग को दोबारा प्रस्ताव भेजा जाएगा। राजमार्ग के किनारे पेड़ लगाने के बारे में भी चर्चा हुई। पहले की जानकारी लेकर वृक्षारोपण पर कार्यवाही करने का किया वादा। कडेगांव बस स्टैंड चौराहे पर यातायात की भीड़ के कारण, नगर पंचायत के मुख्य अधिकारी पवन म्हेत्रे ने कहा कि राजमार्ग प्राधिकरण और पुलिस स्टेशन से अनुमति प्राप्त करने के बाद सिग्नल को मंजूरी दी जाएगी। बैठक में गति अवरोधक की ऊंचाई कम करने का निर्णय लिया गया। पानी संघर्ष समिति के अध्यक्ष डी.एस. देशमुख ने कहा कि यदि 1 मई से पहले ये आवश्यक कार्य शुरू नहीं किए गए तो 2 मई को हाईवे पर सोकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। जल संघर्ष समिति ने मांग की कि यदि मजबूरन विरोध प्रदर्शन करना पड़ता है, तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए। साथ ही, जल संघर्ष समिति के संयोजक अभिमन्यु वरुडे ने अपनी मजबूत राय व्यक्त की कि येवालेवाडी में टोल प्लाजा को तब तक चालू नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि उपरोक्त सभी कार्य पूरे नहीं हो जाए। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य मधु नाना भोसले, जीवन करकटे, संजय तडसरे, सिराज पटेल, बजरंग अडसूळ, प्रवीण करडे सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ज्योतिबा फुले के जयंती के अवसर पर निकली रैली

मुंबई। मानखुर्द के महाराष्ट्र नगर में क्रांति सूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले के जयंती के अवसर पर जन हक संघर्ष समिति भीम नगर, तथा जनवादी हॉकर्स यूनियन के द्वारा संयुक्त समता रैली निकाली गई। महात्मा ज्योतिबा फुले एक महान समाज सुधारक थे। उन्होंने जाति व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई, महिलाओं और दलितों के अधिकारों की वकालत की, तथा शिक्षा के प्रसार में उनका विशेष योगदान रहा। उन्होंने

सत्यशोधक समाज की स्थापना की। इस रैली में काफी संख्या में लोग मौजूद रहे इस रैली की शुरूआत पंचशील भीम नगर तथा इसका समापन संघमित्रा बुद्ध विहार में हुआ। इस मौके पर जनवादी हॉकर्स यूनियन की अध्यक्ष संगीता काम्बले, शुभम कोठारी, सुषमा सिंह, मंगल खरात, शीला शाही, अबरार सुलेमान तथा यशोधरा साल्वे मौजूद रहकर रैली की शोभा बढ़ाई।

पुलिस से मुठभेड़ में कानपुर में शातिर को लगी गोली, दो फरार, तलाश जारी

मुंबई हलचल/संवाददाता

कानपुर। यहां बदमाशों के खिलाफ जारी अभियान के क्रम में एक और शातिर अपराधी पुलिस की गोली से घायल हो गया। मुठभेड़ के दौरान उसके पास से तमंचा और कारतूस भी बरामद किए गए हैं।अब पुलिस के फरार हुए जो साथियों के बीच तलाश कर रही है। बदमाशों से पुलिस की यह मुठभेड़ साढ़ इलाके में पुलिस चेकिंग के दौरान हुई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भीतरगांव धरमपुर मार्ग पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान धरमपुर बंबा की तरफ से आ रही दो बाइक को रोकने का प्रयास किया गया। बदमाशों ने पुलिस जीप पर फायरिंग कर दी। गोली जीप के अगले शीशे पर लगी। जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। दो अन्य बदमाश मौके से फरार हो गए। घायल बदमाश की पहचान बिधनू थाना क्षेत्र के रहने वाले चंद्रशेखर उर्फ नितिन के रूप में हुई है। पुलिस ने बदमाश के पास से एक 315 बोर का देशी तमंचा, दो कारतूस और चोरी किया हुआ विद्युत तार बरामद किया है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी के अनुसार, आरोपी पर पहले से ही चोरी और मारपीट के 11 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। अब पुलिस फरार दो अन्य बदमाशों की तलाश कर रही है।

इंजीनियरिंग के छात्र ने किया स्कूली छात्रा का यौन उत्पीड़न

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक स्कूली छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने इंजीनियरिंग के एक छात्र को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कथित अपराध बुधवार सुबह उस समय किया गया जब कक्षा नौवीं की छात्रा अपने घर जा रही थी। मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी (18) ने छात्रा को गले लगाया और उसे गलत तरीके से छुआ। उत्पीड़न के बारे में जानने के बाद छात्रा की मां ने वागले एस्टेट थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि इंजीनियरिंग के छात्र के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 375 (यौन उत्पीड़न) और 378 (पीछा करना) तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उप निरीक्षक अतुल जगताप ने बताया कि आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तो वहीं दूसरी घटना में ठाणे जिले में एक स्कूली शिक्षक ऑनलाइन निवेश घोटाले का शिकार हो गए और उन्होंने 66 लाख रुपये गंवा दिए। शुक्रवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कल्याण निवासी 54 वर्षीय शिक्षक ने पुलिस को बताया कि खुद को सुनीता चौधरी बताने वाली एक महिला ने सोशल मीडिया पर उनसे दोस्ती की और उन्हें एक वेबसाइट के जरिए अच्छे लाभ का वादा करते हुए एक योजना में निवेश करने के लिए राजी कर लिया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

फिर दहला नागपुर

सूत्रों ने दी जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में अन्य दिनों की तरह मजदूर काम कर रहे थे, तभी अचानक तापमान बढ़ने से बॉयलर में ब्लास्ट हो गया। विस्फोट होने से अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। घायल मजदूरों के नाम उमरेड के पांजरेपार निवासी पीयूष बाबाराव टेकाम (21), पीयूष वासुदेव दुर्गे (20), सचिन पुरूषोत्तम मसराम (26), नवनीत कुंभारे (27), पेंढराबोडी निवासी मनीष अमरनाथ वाघ (20), गोंडबोरी निवासी करण भास्कर बावने (21), करण तुकाराम शेंडे (20) और कमलेश सुरेश ठाकरे (30) हैं। अब इसी घटना में एक बड़ी जानकरी सामने आ रही है। उमरेड में एल्युमिनियम फॉयल फैक्ट्री में हुए विस्फोट में 5 लोगों की मौत हो गई, 2 लोगों ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि 3 लापता लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। यह जानकारी हर्ष पोद्दार, एसपी, नागपुर ग्रामीण इन्होंने दी है। जानकारी के अनुसार, इस कंपनी का मालिक भंडारा निवासी ललित भंडारी नामक व्यक्ति है। धुरखेड़ा ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थित कंपनी करीब दस एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। विस्फोट का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है। हालांकि, विस्फोट के बाद कंपनी में आग लग गई, जब दूसरे शिफ्ट के 35 मजदूर काम कर रहे थे। 5 श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए, वे आग की लपटों में घिरे, दर्द से कराहते हुए कंपनी से बाहर आए। ऐसा प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है। घटना की सूचना उमरेड नगर पालिका अग्निशमन विभाग को दी गई। नागपुर से कुछ अग्निशमन विभाग की गाड़ियां पहुंचीं। हालांकि, पानी की गर्मी के कारण एल्युमीनियम पाउडर और अधिक प्रज्वलित हो जाएगा, जिससे बॉयलर में विस्फोट हो जाएगा। इस डर के कारण कंपनी के प्रवेश द्वार के सामने 6-7 गाड़ियां खड़ी कर दी गईं। रेत फेंक कर इस आग को बुझाना संभव है, घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों का कहना है कि ऐसा कहा जा रहा है।

हम भीख नहीं मांग रहे है...अजित पवार पर बरसे सरनाईक

हालांकि की सरनाईक के उग्र तेवर देखने के बाद वित्त विभाग एसटी कर्मचारियों के बकाया वेतन के भुगतान के लिए 120 करोड़ रुपए के त्वरित भुगतान को तैयार हो गया है। शिवसेना के मंत्री एवं विधायक वित्त मंत्री का पद संभाल रहे अजित पवार पर फंड वितरण में भेदभाव का आरोप लगा रहे हैं। परिवहन मंत्री सरनाईक ने ऐसी ही शिकायतों का जिक्र करते हुए कहा कि हमने वित्त विभाग से 928 करोड़ रुपए मांगे थे लेकिन हमें सिर्फ 272 करोड़ रुपए दिए गए। उन्होंने कहा कि एसटी कर्मचारियों के मार्च महीने के वेतन भुगतान के के लिए सिर्फ 56 प्रतिशत राशि वेतन ही मिली थी। शेष 44 फीसदी के लिए उप मुख्यमंत्री एकनाथ के हस्तक्षेप के बाद वित्त मंत्रालय ने मंगलवार तक का समय दिया है। सरनाईक ने कहा कि एसटी कर्मचारी पहले ही मामूली वेतन पर अपना और अपने परिवार का गुजारा करते हैं। इसलिए समय पर वेतन कर्मचारियों का अधिकार है। एसटी कर्मचारियों के वेतन के संदर्भ में शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजित पवार पर सरनाईक के हमला बोलने के बाद कर्मचारियों के बकाया 120 करोड़ रुपए, परिवहन विभाग के खाते में भेजने को वित्त विभाग तक तत्काल तैयार हो गया है। वित्त विभाग के प्रधान सचिव सौरभ विजय से मुलाकात के बाद सरनाईक ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि कर्मचारियों को उनका बकाया वेतन मंगलवार तक मिल जाएगा तथा आगे से हर महीने की 7 तारीख तक कर्मचारियों को उनके वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। जरूरत पड़ी तो मैं इसके लिए अधिकारियों के पास 5 तारीख को ही पहुंच जाऊंगा।

मंत्री के आदेश पर निकली 'सुपारी'

अर्से से सोये हुए विभाग को फिर से जागृत होना पड़ा है। सुपारी हो या अन्य कोई भी मिलावटी खाद्य पदार्थ, पिछले कई महीनों से शांति छायी हुई थी और किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो रही थी। कलमना स्थित फैक्टी में कार्रवाई रात 10 बजे तक चली। माल किसका है यह अभी पता नहीं चल पाया है। पिछले काफी समय से राज्य में नकली पनीर को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। नागपुर में स्वतः एक भी कार्रवाई नहीं हुई लेकिन इशारे पर मुंबई से टीम नागपुर पहुंची और एक छोटी सी कार्रवाई कर संदेश देने का काम किया। नागपुर संभाग कार्यालय में अधिकारी हैं भी यह पता नहीं चल पा रहा है क्योंकि जनहित में कोई भी कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। अधिकारी केबिन में बैठकर अपना कार्य निष्पादन कर रहे हैं। यही कारण भी है कि भांजे जैसे लोग फिर से सक्रिय हो गए हैं और विदेशी सुपारी का कारोबार फिर से सिर उठाने लगा है।

बीजेपी दलित-बहुजन इतिहास मिटाना चाहती है

महात्मा (ज्योतिराव) फुले और सावित्रीबाई फुले ने जातिवाद के खिलाफ लड़ाई में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया, लेकिन सरकार उस संघर्ष और ऐतिहासिक तथ्यों को पर्दे पर नहीं आने देना चाहती। उन्होंने आगे कहा, भाजपा-आरएसएस हर कदम पर दलित-बहुओं के इतिहास को मिटाना चाहती है, ताकि जातिगत भेदभाव और अन्य की असली सच्चाई सामने न आए। इस बीच, महाराष्ट्र के पुणे में वंचित बहुजन अघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर ने सीबीएफसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

हाई सिक्युरिटी सेल में कैद तहव्वुर राणा

एनआईए के लॉकअप में जमीन पर गुजारी पहली रात, 14 गुणा 14 फीट के कमरे में ही बाथरूम, सीसीटीवी से रखी जा रही कड़ी निगरानी, एनआईए टीम कर रही पूछताछ

12 नामित अधिकारियों को ही जाने की इजाजत

राणा को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में एनआईए हेडक्वार्टर के ग्राउंड फ्लोर पर बने लॉकअप में रखा गया है। सेल के अंदर ही राणा को सारी जरूरी सुविधाएं प्रदान की जाएगी। शुक्रवार से एनआईए की टीम राणा से पूछताछ करने में जुट गई है

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा फिलहाल एनआईए की गिरफ्त में है। पटियाला कोर्ट ने राणा को नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की 18 दिन की हिरासत में भेज दिया है। भारत आने के बाद तहव्वुर राणा की पहली रात एनआईए के लॉकअप में गुजरी। जानकारी के मुताबिक, राणा को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में एनआईए हेडक्वार्टर के ग्राउंड फ्लोर पर बने लॉकअप में रखा गया है। इस सेल का साइज लगभग 14/14 फुट का है। सीसीटीवी कैमरे से लैस सेल के अंदर जमीन पर एक बिस्तर लगा है। बाथरूम भी सेल के अंदर ही है। बता दें कि सेल के अंदर केवल 12 नामित एनआईए अधिकारियों को ही इजाजत है। सेल के अंदर ही राणा को सारी जरूरी सुविधाएं प्रदान की जाएगी। शुक्रवार से एनआईए की टीम राणा से पूछताछ करने में जुट गई है। एनआईए अधिकारियों द्वारा की जाने वाली पूछताछ की रिकॉर्डिंग की जा रही है। पूछताछ के दौरान राणा को बीच-बीच में ब्रेक भी दिया। बता दें कि पूछताछ के लिए आठ एजेंसियों ने एनआईए से सिफारिश की है।

■ एनआईए अधिकारी पूछताछ की रिकॉर्डिंग कर रहे

अमेरिकी न्याय विभाग का बड़ा खुलासा

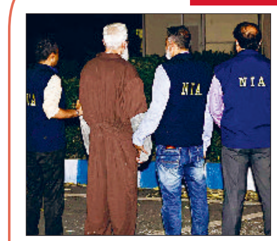

आतंकियों को 'निशान-ए-हैदर' दिलाना चाहता था राणा

तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने के एक दिन बाद अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने कहा कि कि मुंबई आतंकवादी हमले के बाद राणा ने कथित तौर पर अपने सह-साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली से कहा था कि हमले के दौरान मारे गए नौ लश्कर आतंकवादियों को 'निशान-ए-हैदर' दिया जाना चाहिए। बता दें, 'निशान-ए-हैदर' युद्ध में वीरता के लिए पाकिस्तान का सर्वोच्च पुरस्कार, जो शहीद सैनिकों के लिए है। हमला पूरा होने के बाद राणा ने हेडली से कथित तौर पर कहा था कि भारतीय इसके लायक थे।

एनआईए का लक्ष्य और नाम उगलवाना

मुंबई आतंकी हमले को लेकर जांच एजेंसी के अधिकारी, राणा के साथ विस्तार से बातचीत करेंगे। बातचीत के जरिए अधिकारी आतंकी हमले से जुड़े सबूतों को जुटाएंगे। बता दें कि शुरुआत के कुछ दिनों तक राणा से पूछताछ की जाएगी। इसके बाद उसे देश के कई शहरों में ले जाया जाएगा। आतंकी हमले से पहले राणा ने इन जगहों की रेकी की थी। एनआईए का सबसे बड़ा लक्ष्य है राणा की जुबान से मुंबई आतंकी हमले का सबसे बड़ा मास्टरमाइंड हाफिज सईद और उसके गुर्गों का नाम उगलवाना।

हेडली और राणा की कई बार हुई मुलाकात

डीओजे ने कहा है कि दो साल से अधिक समय के दौरान, हेडली ने कथित तौर पर शिकागो में राणा से बार-बार मुलाकात की और लश्कर की ओर से अपनी निगरानी गतिविधियों, हेडली की गतिविधियों पर लश्कर की प्रतिक्रियाओं और मुंबई पर हमला करने की लश्कर की संभावित योजनाओं के बारे में बताया। डीओजी ने राणा के प्रत्यर्पण को 'छह अमेरिकियों और अन्य दर्जनों पीड़ितों के लिए न्याय पाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम' बताया, जो लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों द्वारा मारे गए थे।

राणा के खिलाफ केस लड़ेंगे कृष्णन

तहव्वुर राणा के खिलाफ एनआईए की ओर से वकील दयान कृष्णन केस लड़ेंगे। हालांकि इस केस से वे पहले से जुड़े हुए हैं। कृष्णन 2010 में शिकागो में डेविड हेडली से पूछताछ करने वाली एनआईए टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं। इसके बाद उन्हें 2014 में उन्हें हेडली और राणा दोनों के प्रत्यर्पण मामलों के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया था। राणा को भारत लाने में भी उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई है। राणा ने अमेरिका में प्रत्यर्पण से बचने के लिए 'डबल जेपर्डी' का तर्क दिया था लेकिन कृष्णन ने अपने तर्कों से साबित कर दिया था कि भारत के राणा के खिलाफ आरोप अलग प्रकृति के हैं... इसी वजह से अमेरिकी कोर्ट ने उसकी सारी याचिकाएं खारिज की थीं। वकील कृष्णन भारत के पहले राष्ट्रीय विधि विद्यालय शनल लॉ स्कूल बेंगलुरु से 1993 में ग्रेजुएट हुए हैं। वे पहले बैच का हिस्सा थे। 1999 में अपनी स्वतंत्र वकालत की प्रैक्टिस शुरू की थी। वे भारतीय कानूनी प्रणाली में एक प्रमुख शख्स हैं। कृष्णन को 2014 में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था। उन्हें प्रत्यर्पण कानून का विशेषज्ञ माना जाता है। उन्होंने 1999 में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा आयोग में भी योगदान दिया हैं। कृष्णन ने 2001 के संसद हमले का मुकदमा, कावेरी जल विवाद, दूरसंचार घोटाला, नितीश कटारा हत्याकांड, उपहार अग्निकांड जैसे कई हाई-प्रोफाइल मामलों में वे सरकार की तरफ से केस लड़े हैं। दयान कृष्णन ने निर्भया केस भी लड़ा था...वो भी फ्री में।

भारत और इटली के बीच हुआ एमओयू

क्वांटम टेक्नोलॉजी, एआई और नई तकनीकों पर मिलकर करेंगे काम

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को इटली की यूनिवर्सिटी और रिसर्च मंत्री अन्ना मारिया बर्निनी से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए एक अहम समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इसके तहत दोनों देश मिलकर क्वांटम टेक्नोलॉजी, एआई, बायोटेक्नोलॉजी और नई उभरती तकनीकों पर काम करेंगे। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि यह

सहयोग पीएम नरेंद्र मोदी और इटली की पीएम मेलोनी की जी20 बैठक में हुई बातचीत का नतीजा है। इस समझौते के तहत 2025 से 2027 तक 10 साझा शोध परियोजनाएं और 10 नई खोज की पहलें शुरू होंगी।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की सलाह

भारत और ईयू को व्यापार समझौते के लिए दूर करनी होंगी रुकावटें

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द पूरा करने के लिए दोनों पक्षों को ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यापारिक अड़चनों को हटाना बेहद जरूरी है ताकि बातचीत तेजी से आगे बढ़ सके। गोयल ने यह बात 'इटली-भारत बिजनेस, साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम' में कही।

सहयोग की भावना से करना होगा काम

गोयल ने कहा कि इसके लिए सभी सदस्य देशों को सहयोग की भावना से काम करना होगा और यह समझना होगा कि कौन-कौन सी रुकावटें इस समझौते को रोक रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत और इटली के बीच निवेश को बढ़ाना जरूरी है और दोनों देशों के कारोबारियों को बिना किसी अड़चन के व्यापार करने का अवसर मिलना चाहिए। पिछले महीने पीएम मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन के बीच दिल्ली में मुलाकात हुई थी।

न्यूयॉर्क शहर में हेलिकॉप्टर क्रैश

छह लोगों की मौत, हडसन नदी में मिले शव और विमान का मलबा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यहां हडसन नदी में हुए हेलिकॉप्टर दुर्घटना में स्पेन के एक पर्यटक परिवार के छह लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि हेलिकॉप्टर गुरुवार को मैनहट्टन के पास नदी में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। अग्निशमन विभाग ने इस हादसे के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि उसे दोपहर 3:17 बजे पानी में एक हेलिकॉप्टर की सूचना मिली थी। जिसके बाद हम मौके पर पहुंचे। मामले में अधिकारियों ने बताया कि

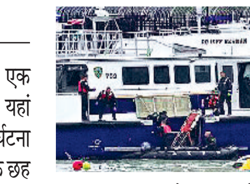

एक हेलिकॉप्टर मैनहट्टन और न्यू जर्सी तट के बीच हडसन नदी में गिर गया, जिससे स्पेन के पर्यटकों के एक परिवार की मौत हो गई, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल थे। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने बताया कि यह हेलिकॉप्टर दोपहर करीब 3 बजे एक हेलीपोर्ट से उड़ा था और दुर्घटना के बाद मृतकों को नदी से निकाला गया।

खबर संक्षेप

जम्मू-कश्मीर में सेना ने एनएच-44 पर बढ़ाई सुरक्षा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को रोकने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सेना ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच-44) पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है। यह राजमार्ग केंद्र शासित प्रदेश के कई हिस्सों को जोड़ता है। तंकवादियों द्वारा हथियारों और सामान की तस्करी के लिए इसका इस्तेमाल करने की कोशिशों को नाकाम करने के उद्देश्य से सेना ने कई बड़े कदम उठाए हैं।

बांग्लादेश में सेना के 5 अधिकारी हाउस अरेस्ट

ढाका। बांग्लादेश आर्मी चीफ जनरल वकार उज जमान 6 अप्रैल से 11 अप्रैल तक रूस के दौरे पर हैं। इस बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद युनूस ने छात्र आंदोलन में कथित भूमिका को लेकर बांग्लादेशी सेना के 5 आला अफसरों को नजरबंद कर दिया गया है। इसमें ब्रिगेडियर जनरल इमरान हामिद, आरएबी से कर्नल अब्दुल्ला अल-मोमेन, ब्रिगेडियर जकारिया हुसैन, बीजीबी के लेफ्टिनेंट कर्नल रिदवानुल इस्लाम और ईस्ट बंगाल रेजिमेंट से मेजर नोमान अल फारुक शामिल हैं।

दो दिवसीय भारत यात्रा के तहत नई दिल्ली में हैं इटली के उप प्रधानमंत्री ताजानी

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता के लिए भारत बेहद महत्वपूर्ण देश: एंटोनियो ताजानी

ताजानी ने कहा कि भारत और इटली स्वाभावित आर्थिक साझेदार हैं और दोनों नवाचार, अनुसंधान और उच्च शिक्षा के जरिए अपनी इस भागीदारी को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के इच्छुक हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि इटली और भारत वर्तमान में पहले से कहीं अधिक करीब हैं और भविष्य में इस मामले में दोनों के बीच और अधिक संभावनाएं मौजूद हैं

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

इटली के उप प्रधानमंत्री एंटोनियो ताजानी ने शुक्रवार को राजधानी में आयोजित किए गए इटली-भारत व्यापार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम में भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण देश बताया। उन्होंने कहा कि व्यापार को मजबूत बनाने के लिए स्थिरता बेहद अहम है। भारत और इटली स्वाभावित आर्थिक साझेदार हैं और दोनों नवाचार, अनुसंधान और उच्च शिक्षा के जरिए अपनी इस भागीदारी को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के इच्छुक हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि इटली और भारत वर्तमान में पहले से कहीं अधिक करीब हैं और भविष्य में इस मामले में दोनों के बीच और अधिक संभावनाएं मौजूद हैं।

भारत में निर्यात, निवेश का इच्छुक इटली

एंटोनियो ताजानी ने यह भी कहा कि हम भारत में अधिक निवेश और निर्यात के लिए इच्छुक हैं। साथ ही अपने देश में ज्यादा निवेश को आकर्षित भी करना चाहते हैं। नवाचार, एआई, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सुपर कंम्प्यूटर और रक्षा जैसे क्षेत्रों को उन्होंने संयुक्त साझेदारी की संभावनाओं वाला

बताया। उधर, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपने संबोधन में दोनों देशों के बीच संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें ठोस परिणामों के जरिए साझेदारी को मजबूत करने के भारत और इटली के शीर्ष नेताओं के दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया गया है।

यह दोनों देशों के लिए लाभप्रद है। भारत-मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा हकीकत में एक नई वैश्विक धुरी का निर्माण करेगा। जो अर्थव्यवस्थाओं, ऊर्जा, संसाधनों और संचार के लिए अहम साबित होगा।

लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित साझेदारी

जयशंकर ने भारत और इटली की साझेदारी को लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित बताते हुए कहा कि इसका संबंध हमारी सभ्यताओं, संस्कृति और विरासत के प्रति सम्मान से आगे बढ़कर एक स्थिर, नियम आधारित और समृद्ध विश्व के साझा दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है। मौजूदा राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था में बदलाव आ रहा है। जो अधिक जटिल और अप्रत्याशित होती जा रही है। आज हम महामारी, संघर्षों से उबर रहे हैं। लेकिन हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि हमारी आपूर्ति श्रृंखलाएं अधिक नाजुक हैं और हमारा समुद्रीय पोत परिवहन बाधित है। बाजार हिस्सेदारी पर नियंत्रण और हथियार बनती आर्थिक गतिविधियों के चलते भू राजनीतिक प्रतिस्पर्धा बढ़ी है।

ऑस्ट्रिया और भारत के बीच व्यापार साझेदारी

ई-मोबिलिटी, चिप्स और फिनटेक सेक्टर में निवेश पर करेंगे सहयोग

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि ऑस्ट्रिया और भारत के बीच निवेश और व्यापार साझेदारी के कई अवसर हैं, जिसमें ई-मोबिलिटी, सेमीकंडक्टर और फिनटेक शामिल हैं। वित्त मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, वियना में ऑस्ट्रिया के संघीय वित्त मंत्री मार्कस मार्टरबाउर के साथ अपनी बैठक के दौरान, वित्त मंत्री सीतारमण ने भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रमुख सुधारों और नीति उपायों के प्रमुख पहलुओं को साझा किया। वित्त मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) के माध्यम से ई-मोबिलिटी और सेमीकंडक्टर के क्षेत्रों में दोनों पक्षों की स्टार्टअप कंपनियों के बीच, विशेष रूप से फिनटेक के क्षेत्र में निवेश और व्यापार सहयोग के कई अवसर मौजूद हैं।

द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने पर सहमत

वित्त मंत्री ने पिछले साल पीएम नरेंद्र मोदी की यात्रा को याद करते हुए कहा कि यह भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी में, खासकर आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने में एक मील का पत्थर था। उन्होंने ऑस्ट्रियाई अर्थव्यवस्था मंत्री और वित्त मंत्री के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान वित्तीय, आर्थिक, व्यापार और निवेश क्षेत्रों में भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देश पारस्परिक लाभ के लिए अपनी पूरक क्षमताओं का लाभ उठाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रिया की क्षमताओं और जुड़ाव की संभावनाओं के आधार पर हमने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को भी चिह्नित किया है।

ब्रिटेन के साथ एफटीए पर चर्चा की

इससे पहले, अपनी लंदन यात्रा के दौरान, वित्त मंत्री सीतारमण ने ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर से मुलाकात की और व्यापार एवं निवेश और दोनों देशों के बीच आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता की प्रगति पर भी चर्चा की। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) के लिए बातचीत जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई है।

चीन का अमेरिका पर पलटवार: टैरिफ वार से लगातार बढ़ता जा रहा है टकराव

ड्रैगन ने किया 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान

पहले चीन ने इस टैरिफ को 84 प्रतिशत तक बढ़ाया था

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

चीन और अमेरिका के बीच चल रहा टैरिफ वार पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन गया है। अब चीन ने अमेरिका पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है।

ऐसे में अब अमेरिका से आने वाले सामान पर चीन 125 प्रतिशत तक टैक्स वसूलेगा। पहले चीन ने इस टैरिफ को 84 प्रतिशत तक बढ़ाया था। 125 प्रतिशत टैरिफ का

प्रावधान 12 अप्रैल से लागू होगा। चीन के इस कदम से साफ है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से बढ़ाए गए टैक्स का मुंहतोड़ जवाब देने का प्लान बनाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चीन के सामान पर लगाए गए नए टैरिफ का आंकड़ा 125 प्रतिशत नहीं 145 प्रतिशत हो गया है।

इसमें फेंटेनाइल की तस्करी में चीन के कथित रोल को लेकर लगाए 20 प्रतिशत टैरिफ भी शामिल है। इसके अलावा चीनी सामानों में लागू किए गए नए 125 प्रतिशत टैरिफ भी हैं।

राष्ट्रपति जिनपिंग ने तोड़ी चुप्पी

एक ट्रेड वार में कोई भी विजेता नहीं होता है, हम अमेरिका से नहीं डरते

बीजिंग। टैरिफ वार शुरू करने के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। जिनपिंग ने कहा कि उनका देश अमेरिका के ट्रेड वार से नहीं डरता है। जिनपिंग ने कहा कि एक ट्रेड वार में कोई भी विजेता नहीं होता है और दुनिया के खिलाफ जाने से केवल अकेलापन मिलेगा। शुक्रवार को स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ मुलाकात के बाद चीन के राष्ट्रपति ने यह बयान दिया। शी जिनपिंग के इस बयान से साफ है कि ट्रंप की मंशा के उलट चीन अमेरिका के साथ कोई समझौता करने के मूड में नहीं है। इस ट्रेड वार की वजह से दुनियाभर के शेयर बाजार हिले हुए हैं और आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ती जा रही है।

दुनिया के खिलाफ जाने से केवल अकेलापन मिलेगा

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार बोले

कोई भी कमीशन मांगे तो लोकायुक्त के पास शिकायत करें ठेकेदार

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सुझाव दिया कि यदि किसी ने ठेकेदारों से उनके बिलों के भुगतान के लिए कमीशन की मांग की है, तो उन्हें लोकायुक्त के पास शिकायतकरानी चाहिए। उनकी प्रतिक्रिया कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ की तरफ से आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया कमीशन का खतरा गंभीर है। संघ ने दावा किया कि शिवकुमार और 2 अन्य वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के कार्यालयों में अदृश्य दलाल सक्रिय हैं।

ओडिशा में नड्डा ने किया आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ

महिलाओं को मिलेगा 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा, 3.5 करोड़ को लाभ

3 योजनाओं से लोगों में छाई खुशियां

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ओडिशा में शुक्रवार से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना लागू हो गई है। कटक के बालीयात्रा मैदान में एक विशेष कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने विधिवत इस योजना का उद्घाटन किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय जनजाति व्यापार मंत्री जुएल ओराम, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आदि मौजूद थे।

आयुष्मान बायो वंदन योजना का लोकार्पण

नड्डा ने गोपबंधु जन आरोग्य योजना एवं आयुष्मान बायो वंदन योजना का भी लोकार्पण किया । इन 3योजना से राज्य के 3 करोड़ 50 लाख लोग लाभान्वित होंगे। सरदार बल्लभ भाई पटेल पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ पीडियाट्रिक के नए भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने भुवनेश्वर के सिपेट एवं एम्स मेडिकल कॉलेज का दौरा किया।

महिलाओं में दिखा उत्साह

ओडिशा में पहली बार लागू होने वाली आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को लेकर ओडिशा के लोगों में खासकर महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया है। समय से पहले लाभ मिला है।

फरवरी में सुस्त पड़कर 2.9 प्रतिशत

औद्योगिक उत्पादन फरवरी में सुस्त पड़कर छह महीने के निचले स्तर पर

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर इस साल फरवरी में सुस्त पड़कर छह महीने के निचले स्तर 2.9 प्रतिशत पर आ गयी। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि मुख्य रूप से विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण सुस्त पड़ी है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापे जाने वाले औद्योगिक उत्पादन में फरवरी 2024 में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस बीच, सरकार ने जनवरी, 2025 के लिए औद्योगिक वृद्धि के आंकड़े को संशोधित कर 5.2 प्रतिशत कर दिया है। मार्च में जारी आंकड़ों में इसके पांच प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था।

गिरावट चौतरफा रही

इससे पहले, पिछला निचला स्तर पिछले साल अगस्त में रहा था। उस समय वृद्धि दर शून्य प्रतिशत पर स्थिर रही थी। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, "...पिछले साल फरवरी 29 दिन का होने से तुलनात्मक आधार कमजोर रहा और आईआईपी की सालाना वृद्धि इस साल फरवरी में घटकर 2.9 प्रतिशत रही...गिरावट चौतरफा रही।

विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्र का खराब प्रदर्शन

बिजली को छोड़कर दो क्षेत्रों में वृद्धि दर धीमी रही

खनन का वृद्धि प्रदर्शन बिगड़ने की आशंका

बिजली का उत्पादन धीमा होकर 3.6 फीसदी

आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2025 में बिजली उत्पादन की वृद्धि भी धीमी होकर 3.6 प्रतिशत पर रही जो एक साल पहले इसी महीने में 7.6 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-फरवरी के दौरान आईआईपी में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो एक साल पहले इसी अवधि में छह प्रतिशत थी।

एनएसओ ने जारी किया आंकड़ा

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि फरवरी, 2025 में सुस्त पड़कर 2.9 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 4.9 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन वृद्धि आलोच्य महीने में 1.6 प्रतिशत रही जो एक साल पहले फरवरी महीने में 8.1 प्रतिशत थी।

सालाना आधार पर वृद्धि कम रही

उपयोग आधारित वस्तुओं समेत बिजली को छोड़कर दो क्षेत्रों में वृद्धि दर धीमी हुई है। इसके कारण इस साल फरवरी में सालाना आधार पर वृद्धि कम हुई है।" उन्होंने कहा, "खनन का वृद्धि प्रदर्शन फरवरी, 2025 की तुलना में मार्च, 2025 में बिगड़ने की आशंका है।

निर्माण के सामानों में तेजी

आंकड़ों के अनुसार फरवरी 2025 में गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन 2.1 प्रतिशत घटा, जबकि एक वर्ष पूर्व इसमें 3.2 प्रतिशत की गिरावट आई थी। बुनियादी ढांचे/निर्माण के सामानों की वृद्धि फरवरी 2025 में 6.6 प्रतिशत रही, जो पिछले साल इसी अवधि में 8.3 प्रतिशत थी।

प्राथमिक वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि

आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक वस्तुओं के उत्पादन में फरवरी 2025 में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले फरवरी में इसमें 5.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मध्यवर्ती वस्तुओं के क्षेत्र में वृद्धि आलोच्य महीने में 1.5 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले फरवरी में 8.6 प्रतिशत थी।

गोरखपुर में रेलवे पुलिस की बड़ी कामयाबी, नाबालिगों के सहारे चला रहा था मोबाइल चोरों का गैंगसरगना भी गिरफ्तार

गोरखपुर। गोरखपुर रेलवे पुलिस को उस समय बड़ी सफलता मिली जब रेलवे स्टेशन परिसर और ट्रेनों में यात्रियों का मोबाइल फोन सहित अन्य सामान चुराने वाली एक महिला, तीन बाल अपचारियों सहित पांच लोगों को जीआरपी ने गिरफ्तार। गिरफ्तार बाल अपचारी यात्रियों की जेब से मोबाइल फोन चुराकर बड़े शातिरों को दे देते हैं। इस दौरान अगर किसी को शक भी होता तो बच्चा देख नजरअंदाज कर देता। इंस्पेक्टर जीआरपी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि चोरों के गैंग से पूछताछ में जो जानकारी मिली है। उसके आधार पर आगे की जांच की जा रही है। उनके पास से एक लाख कीमत का मोबाइल फोन मिला है। एसपी जीआरपी संदीप कुमार मीना ने पुलिस टीमों को लगातार भ्रमणशील रहकर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। बुधवार को रेलवे पुलिस टीम रेलवे स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया और ट्रेनों में

सघन तलाशी के लिए निकली, इसी दौरान कुछ संदिग्ध लोग दिखे। जब पुलिस टीम उनकी तरफ बढ़ी तो वे भागने लगे। पुलिस ने दौड़ा कर उन्हें दबोच लिया और तलाशी ली तो काफी सारे चोरी के मोबाइल फोन मिले।पूछताछ में उनकी पहचान तिवारीपुर थाना क्षेत्र के माधोपुर वार्ड नंबर-13 में रहने वाले अली और उसके तीन अन्य नाबालिग सहयोगियों के रूप में हुई। छानबीन के बाद उनके पास से पुलिस ने चोरी का सात मोबाइल फोन बरामद किया। सघन चेकिंग अभियान में रेलवे स्टेशन के गेट नंबर एक के पास बैठी एक महिला को चोरी के मोबाइल फोन संग पकड़ा। वह संतकबीर नगर जिले के बखिरा की रहने वाली है। वह महिलाओं के बीच में बैठकर ट्रेनों का इंतजार करने के बहाने चोरी करती है। गोरखपुर से चोरी मोबाइल फोन को संत कबीर नगर में ले जाकर बेच देती है। इससे जो रुपया उसे मिलता है। उसी से अपना भरन पोषण करती थी। पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की तो सामने आया कि प्लेटफार्म और ट्रेनों में सो रहे यात्री ही ज्यादातर निशाना बनते थे।उनका मोबाइल फोन चुराकर दूसरी बोगी में घुस जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पिपंल और एक्ने को दूर करने के लिए यूं इस्तेमाल करें जायफल

जायफल का इस्तेमाल भोजन में फ्लेवर लाने के लिए किया जाता है। जायफल के एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो शरीर होने वाले हर तरह के इन्फेक्शन से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं। जायफल में औषधीय गुण भी होते हैं जिन्हें त्वचा को निखारने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जायफल में मैग्नीशियम, कॉपर और विटामिन बी1 और बी6 होता है जोकि सेहत के लिए जरुरी माना जाता है। इसके ये गुण त्वचा पर बहुत ही कारगर होते हैं। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लामेट्री गुण पिंपल्स और एक्ने के इलाज में मददगार साबित होते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि जायफल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करने से क्या फायदे होगें और आप इसे किस तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

1.कलींजर

1 चम्मच जायफल पाउडर और 1-2 चम्मच दूध लें। दोनों को मिक्स करके पेस्ट बना लें, अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं।10-15 मिनट बाद चेहरे को धो लें। जायफल के रेजुवेनटिंग गुण और दूध में लैक्टिक एसिड मौजूद होने के कारण आपकी स्किन एकदम सुंदर और मुलायम हो जाएगी।

2. एक्ने और पिंपल्स पर असरदायक

अगर आपकी स्किन ऑयली है और आपके चेहरे पर एक्ने और दानें निकल आएं हैं तो 1 चम्मच जायफल पाउडर में शहद की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं। कुछ समय बाद अपना चेहरा धों ले। दो हफ्तों में ही असर नजर आने लगेगा। जायफल और दूध दोनों में एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होते हैं जो एक्ने को दूर करने में मदद करते हैं।

3.पिगमेंटेशन के लिए

जायफल में पाए जाने वाले गुण आपकी त्वचा की रंगत को निखारने और पिगमेंटेशन के साथ-साथ गहरे दाग-धब्बों को दूर करने में सहायता करते हैं। ये सूरज की तेज किरणों से त्वचा को होने वाले नुकसान को भी ठीक करता है। पैक बनाने के लिए एक साफ कटोरी लें और इसमें जायफल पाउडर, योगर्ट और नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाएं। चेहरे पर पेस्ट को लगाएं और 8-10 मिनट के बाद ठंडे पानी से चेहरा धोकर सुखा लें। इसके बाद मॉइश्चराइजर लगाएं। आपकी स्किन पहले से ज्यादा ग्लोइंग नजर आएंगी।

4.त्वचा को एक्सफोलिएट

त्वचा को एक्सफोलिएट करके स्किन की सफाई करता है। आप अपनी डेड स्किन को स्क्रब करने के लिए जायफल पाउडर में शहद, बेकिंग सोडा और लौंग का तेल, नींबू के रस की बूंदे एकसाथ मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और चेहरे पर धीरे-धीरे स्क्रब करें। 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से चेहरा धोकर सुखा लें।

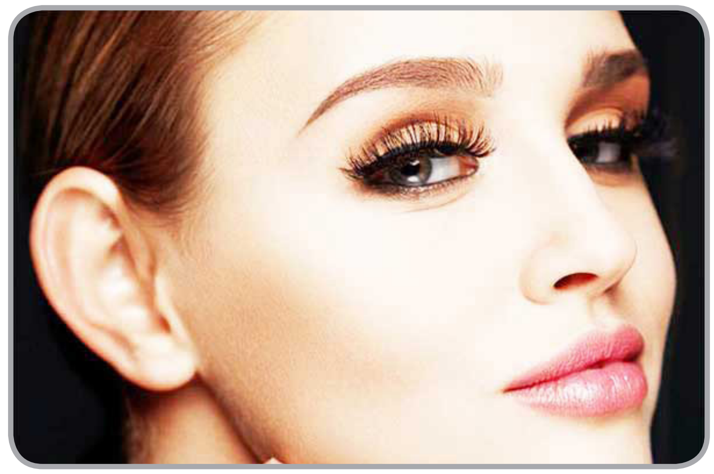

हफ्ते में पलकें होगी घनी अगर रोजाना करेंगे ये 3 काम

घनी पलके आखों की खूबसूरती को चार चांद लगा देती है। जिनकी पलके छोटी होती है उनकी आंखों की खूबसूरती फिकी दिखती है। अपनी पलकों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए युवतियां अक्सर नकली लैशेज लगाती हैं। परंतु आप चाहें तो कुछ टिप्स को अपनाकर घर पर ही घनी आई लैशेज पा सकती हैं। इससे आपकी पलकें घनी और खूबसूरत लगेगी।

1. कैस्टर ऑयल

रात में कैस्टर ऑयल लगाकर सोएं। नियमित रूप से इसे लगाने के कुछ हफ्तों बाद ही आपको फर्क नजर आने लगेगा। लैशेज के साथ-साथ आप आई ब्रोज को भी घना बना सकती हैं।

2. विटामिन-ई

विटामिन-ई कैप्सूल को तोड़कर आई लैशेज पर लगाएं। आप चाहें तो लगाकर सो जाएं या फिर 20 मिनट बाद आंखों को साफ कर लें।

3. आई लिड मसाज करें

रिंग फिंगर से हल्की-हल्की मसाज करें तथा मसाज करने से पहले उंगलियों को अच्छी तरह धो लें। यह आंखों के आसपास के हिस्से में रक्त प्रवाह को बढ़ाएगा।

सूखी खांसी को जल्दी ठीक कर देंगे ये घरेलू नुस्खे

बार-बार खांसी करने से कोई भी काम करने में अच्छी खासी परेशानी आती है। इससे गले और पसलियों में दर्द भी होने लगता है। मौसम में बदलाव आ जाने से इस तरह की समस्या होने की संभावना ज्यादा होती है। इसके अलावा ज्यादा ठंडी या खट्टी चीजें भी गला खराब कर देती हैं। सूखी खांसी हो जाने पर जल्दी आराम आना भी मुश्किल हो जाता है और कफ सीरप पीने से नींद भी ज्यादा आने लगती है। ऐसे में दादी-नानी के अजमाए नुस्खे आपके काम आ सकते हैं।

1. शहद

एक चम्मच शहद दिन में 3 बार लें, इससे बहुत राहत मिलेगी।

2. काली मिर्च

पिसी काली मिर्च को घी में भूनकर खाने से खांसी जल्दी ठीक हो जाती है।

3. प्याज

आधा चम्मच प्याज के रस में 1 छोटा चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो बार लें।

4. हल्दी

आधा कप उबले पानी में चुटकी भर हल्दी,पिसी काली मिर्च डालकर चाय की तरह पीएं।

5. नींबू

नींबू के रस में शहद मिक्स करके दिन में चार बार सेवन करने से खराश दूर होती है।

अगर आपका बच्चा भी करता है ज्यादा गुस्सा तो यूं करें उसे Treat

जब बच्चा बात-बात पर चिड़ने या गुस्सा करने लगता है तो पेरेंट्स चिंता में पड़ जाते हैं। उनकी सबसे बड़ी परेशानी यही होती है कि उन्हें समझ ही नहीं आता कि आखिर बच्चा ऐसा क्यों कर रहा हैं। बिना बच्चे के चिड़चड़ेपन या गुस्से का कारण जाने बिना पेरेंट्स उन्हें डांटने या मारने लगते हैं। इससे बच्चा और भी जिद्दी हो जाता है और गलत दिशा में पड़ जाता हैं। अगर आप नहीं चाहते कि आपका बच्चा गलत राह पर जाए तो उसकी इन हरकतों के पीछे का कारण जाने न कि उसे डांट या फटकार लगाएं।

चलिए जानते है वह कौन सा कारण है जो आपके हंसते खेलते बच्चों को एकदम से चिड़चिड़ा या गुस्सैल बना देता है।

बच्चे का अकेलापन

भागदौड़भरी जिदंगी में माता-पिता दोनों वर्किंग होते है जिस वजह से वह अपने बच्चों को टाइम नहीं दे पाते। यहीं वजह है कि बच्चा खुद को अकेला महसूस करने लगता है और उसका व्यवहार चिड़चिड़ा और गुस्सैल हो जाते हैं। अक्सर पेरेंट्स इसे बच्चे की नादानी या बदतमीजी समझकर अनदेखा कर देते है जो सबसे बड़ी गलती हैं। माता-पिता को बच्चे की गलत आदतों की अनदेखा नहीं करना चाहिए बल्कि उसके कारणों को पहचानने की कोशिश करें। दरअसल, बच्चा खेलकूद न कर पाने या स्कूल में कोई विषय न समझ या माता-पिता की अटेंशन न मिल पाने के कारण व्यवहार चिड़चिड़ा या गुस्सैल बन जाता है।

दूसरों के सामने डांटें नहीं, समझाएं

अक्सर पेरेंट्स बच्चे के इस हाइपरएक्टिव स्वभाव को बदतमीजी मानकर उसे रिश्तेदारों या दोस्तों के सामने डांटते-फटकारते हैं जिसका असर बच्चे की मानसिकता और आत्मविश्वास पर पड़ता है। पेरेंट्स को चाहिए कि बच्चे के आसपास ऐसा माहौल बनाएं जिससे बच्चा अपनी हाइपरएक्टिविटी से बाहर निकल सकें।

- बच्चों को दूसरों के सामने मारने के बजाए प्यार से समझाएं।
- अपने गुस्से व चिंताओं पर नियंत्रण रखें।
- खुद को चिंतामुक्त रखने के लिए फैमिली के साथ बाहर घूमने जाएं।
- बच्चे को कभी अपनी चिंताओं का दोष न दें।
- घर में सकारात्मक वातावरण बनाने की कोशिश करें।
- बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा टाइम स्पेंड करें।
- फैमिली के साथ हर हफ्ते मूवी प्लान करें।
- स्कूल या फ्रैंड्स से जुड़ी बातें बच्चों से पूछें।

हाइपरएक्टिव बच्चे के साथ ऐसा हो व्यवहार

1. हाइपरएक्टिव बच्चों को खेलकूद और बाहरी एक्टिविटीज में व्यस्त रखें। बच्चों को डांस या आर्ट क्लास ज्वाइन करवाएं। बच्चों को आउटडोर गेम्स खेलने के लिए भेजे। इससे बच्चे का मन शांत व खुश रहेगा और उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा।
2. हाइपरएक्टिव बच्चे हर गतिविधि पर नजर रखें। उसके स्कूल टीचर से रोज मिले और उसके व्यवहार से जुड़ी जानकारी लेते रहें। टीचर से रिक्वेस्ट करें कि बच्चे को आगे वाली सीट पर बैठाएं।
3. इस तरह के बच्चों को किसी न किसी खेल या दूसरों बच्चों के साथ मिलकर रहने दें। इससे उनके गुस्से व चिड़चिड़ेपन पर काबू पाया जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कृष 4 में हुई प्रियंका की धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर ऋतिक रोशन की हर फिल्म सुपरहिट होती है। हाल ही में उन्होंने दो फिल्मों की अनाउंसमेंट की। जिसमें से पहली पहली वॉर 2 और दूसरी कृष 4। हालांकि, जब से कृष 4 की अनाउंसमेंट हुई है, तब से फैंस दोबारा फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। लेकिन इसके बाद ये खबर आई कि इस मूवी में एक बार फिर से प्रियंका चोपड़ा नजर आ सकती हैं और ऋतिक को भी उनसे मुलाकात करते देखा गया। दरअसल, ऋतिक रोशन स्टारर की फिल्म कृष 4 को आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स प्रोड्यूस करेगी। दिलचस्प बात यह है कि ऋतिक कृष 4 के साथ एक निर्देशक के तौर पर अपना डेब्यू करेंगे। अभिनेता ने अपने पिता राकेश रोशन की विरासत को आगे बढ़ाते हुए निर्देशन का कार्यभार संभाला। इसके बाद ये खबर आई कि इस फिल्म में कई पुराने किरदारों की वापसी हो सकती है। प्रियंका चोपड़ा फिल्म में फीमेल लीड प्ले करेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक और आदित्य ने कृष 4 में मुख्य भूमिका के लिए प्रियंका को लेने का फैसला किया है।

विजय देवरकोंडा स्टारर किंगडम धमाल मचाने को तैयार

किंगडम (साम्राज्य) का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। विजय देवरकोंडा को इस अंदाज में पहले कभी नहीं देखा गया। उनके अंदर की रॉ एनर्जी, रग्ड चार्म और बेकाबू जोश, सब कुछ टीजर में झलकता है। ऐसा लग रहा है मानो कोई तूफान आ रहा हो, जिसे रोकना नामुमकिन है। इस लुक में विजय पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म हो गए हैं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस ही बता रही है कि इस बार कुछ बड़ा होने वाला है। टीजर में उनका अंदाज देख फैंस तो बस एक ही बात कह रहे हैं, ये अवतार अब तक का सबसे फियरलेस और फायरब्रांड लुक है। फिल्म को लेकर क्रेज पहले से ही हाई था, और अब टीजर ने एक्साइटमेंट को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। मेकर्स ने भी फैंस के लिए काउंटडाउन शुरू कर दिया है, ऐसे में फिल्म की रिलीज में अब बस 50 दिन बाकी हैं। किंगडम के मेकर्स ने आज सोशल मीडिया पर एक जबरदस्त पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज का काउंटडाउन शुरू कर दिया है।

अक्षय ने जया बच्चन को दिया करारा जवाब

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म केसरी चैप्टर 2 को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। इस फिल्म में एक्टर पहली बार अनन्या पांडे के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। एक्टर फिल्म का प्रमोशन जोरों-शोरों से कर रहे हैं। इसी बीच अक्षय कुमार ने जया बच्चन के बयान पर जवाब दिया है। दरअसल, फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिलाने वाली टॉयलेट एक प्रेम कथा बॉलीवुड की बेहतरीन फिल्मों में गिनी जाती है। लेकिन कुछ समय पहले जया बच्चन ने इस फिल्म को लेकर एक विवादित बयान दिया था। साथ ही उन्होंने फिल्म को फ्लॉप तक कहा था। ऐसे में अब हाल ही में अक्षय कुमार ने केसरी 2 के प्रमोशनल इवेंट में टॉयलेट की आलोचना करने वालों और जया बच्चन के बयान पर अपना रिएक्शन दिया है। जब एक रिपोर्टर ने अक्षय कुमार से पूछा कि क्या उन्हें बुरा लगता है जब कोई उनकी सामाजिक फिल्मों की आलोचना करता है। इसके बाद अक्षय कुमार से जया बच्चन की आलोचना के बारे में पूछा गया तब एक्टर ने बोला कि अगर उन्होंने कहा है तो शायद ऐसा ही होगा। लेकिन टॉयलेट एक प्रेम कथा जैसी फिल्म बनाकर मैंने कोई गुनाह नहीं किया है तो अगर वो बोल रही हैं तो सही होगा।